ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 26-04-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-04-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-04-27	2024-04-28	2024-04-29	2024-04-30	2024-05-01
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	39.0	38.0	38.0	37.0	36.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	25.0	24.0	24.0	20.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	29	18	11	10
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	11	11	10	4	5
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	20	16	15	21	12
पवन दिशा (डिग्री)	253	265	281	284	280
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	4	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी दिनों में मौसम साफ रहने की सम्भावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई फसल की कटाई के बाद खाली खेतो की गहरी जुताई कर जमीन को खुला छोड़ दे ताकि सूर्य की तेज धूप से गर्म होने के कारण इसमें छिपे कीडो के अण्डे तथा घास के बीज नष्ट हो जायेंगे।

लघु संदेश सलाहकार:

कुष्माण्ड कुल की ग्रीष्मकालीन सब्जियों जैसे लौकी, तुरई, करेला, खीरा, ककडी तथा ग्रीष्मकालीन भिण्डी में सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
कपास	कपास की बुवाई का उपयुक्त समय 15 मई तक है अतः किसान भाई कपास की बुवाई के लिए खाद, बीज तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
कपास	देशी कपास की आर.जी-8, आर.जी.-18, राज.डी.एच.-9, आर.जी.-542, एच.डी.-123। अमेरिकन कपास की बीकानेरी नरमा, गंगानगर अगेती, आर.एस.टी-9, आर.एस.-2013, आर.एस.-810, आर.एस.-875, मरू विकास आदि उन्नत किस्मों की व्यवस्था करें।
कपास	कपास के जिन खेतों में जड़गलन का प्रकोप अधिक हो उन खेतों में बुवाई के पूर्व 2.5 किग्रा ट्राईकोडर्मा हरजेनियम को 50 किग्रा आर्द्रता युक्त गोबर की खाद में अच्छी तरह मिलाकर मिट्टी में मिला दे और साथ में ट्राईकोडरमा हरजेनियम जैव 10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	किसान भाई मिर्च की फसल में रोपाई के 30 दिन बाद 35 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से सिंचाई के साथ दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के उपाय करे। पशुओ क खुरपका-मुहपका रोग से बचाव का टीका लगवाएं एंव पशुओं को अच्छी गुणवत्ता वाला पेयजल उपलब्ध कराएं।